

विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है । —संस्कृत सूक्ति

डरावने हैं मां और शिशुओं की मौत के आंकड़े

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है हम पिछले एक दशक से गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों को बहुत कम कर चुके थे लेकिन 2०16 के बाद इसमें फिर वृद्धि होने लगी है क्योंकि सरकारों का ध्यान इस पर कम हुआ है। संगठन के मुताबिक दुनियाभर में हर साल लगभग 3 लाख महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण अकाल मौत की शिकार हो जाती हैं। इसी भांति 2 मिलियन से अधिक बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही मर जाते हैं। अन्य 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं, जिनमें से कई को समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर बचाया जा सकता था। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि विश्लेषण करे तो पाएंगे हर 7 सेकंड में एक रोकी जा सकने वाली मौत हो रही है। नवजात शिशु सबसे ज्यादा संसिद्धित होता है और इस दौरान बीमारी और मृत्यु का खतरा सबसे अधिक होता है। समय से पहले जन्म होने पर संक्रमण, जन्म के समय सांस की समस्या, जन्मजात बीमारियों का रिस्कर इस दौरान काफी बढ़ जाता है। महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर आंकड़ा जारी करते हुए कहा है कि आज भी हर 2 मिनट में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से संबंधित जटिलताओं के कारण एक महिला की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा बेहद डरावना है क्योंकि आज मेडिकल साईंस ने इतनी तरक्की कर ली है कि प्रेग्नेंसी की जटिलताओं के कारण महिलाओं की मौत को आसानी से रोका जा सकता है। संगठन ने 2०23 के आंकड़ों को पेश करते हुए बताया कि गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण दुनिया में हर दिन 7०0 से ज्यादा महिलाओं की मौत होती है जो बेहद चिंता का विषय है। आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि आज भी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में प्रेग्नेंसी कितनी खतरनाक है, जबकि मातृ मृत्यु के अधिकांश मामलों में जटिलताओं को रोकने और उनका उपचार करने के समाधान मौजूद हैं। इसलिए क्वालिटी मैटरल केयर तक पहुंच सुनिश्चित करने के अलावा, महिलाओं और लड़कियों के अंतर्निहित स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को मजबूत करना भी अहम होगा। ये ऐसे कारक हैं जो प्रसव के दौरान और उसके बाद उनके हेल्थ रिजल्ट्स की संभावनाओं को मजबूत करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं। विश्व भर में इन बीमारियों से हर वर्ष दो करोड़ लोगों की मौत होती है और इनमें से अस्सी प्रतिशत गरीब देशों से हैं संगठन का कहना है कि इस तरह की बीमारियाँ दौड़-भाग से रोकी जा सकती हैं स्वास्थ्य सिर्फ रोग या दुर्बलता की अनुपरिस्थिति ही नहीं बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए और किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते हैं। रोग की अनुपरिस्थिति एक वांछनीय स्थिति है लेकिन यह स्वास्थ्य को पूर्णतया परिभाषित नहीं करता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक कसौटी नहीं है और इसे अकेले स्वास्थ्य निर्माण के लिए पर्याप्त भी नहीं माना जा सकता है। लेकिन स्वस्थ होने का वास्तविक अर्थ अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन जीने के स्वस्थ तरीकों को अपनाना जाना है।

जीवन में स्वास्थ्य ही अनमोल धन है। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित कर सकते हैं। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। व्यक्ति की सबसे बड़ी दौलत उसका शरीर और उसका स्वास्थ्य होता है। जीवन में स्वास्थ्य का मूल्य समझ कर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

बढ़ाई जावे, क्योंकि मातृ अवसाद और प्रसवोत्तर तनाव पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जाता है। साथ ही प्रसव एवं डिलीवरी के दौरान कुशल स्वास्थ्य देखभाल सहायता, समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित किये जाये। यह संकल्प लेने की जरूरत है की हम पीडित मानवता को हर खतरे से बचाने के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधा सुलभ कर कर स्वस्थ दुनिया के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हर ईसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और बीमार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे इलाज की सुविधा मिल सके। दुनियाभर में पोलियो, रक्ताल्पता, नेत्रहीनता, कुष्ठ, टीबी, मलेरिया और एड्स जैसी भयानक बीमारियों की रोकथाम हो सके और मरीजों को समुचित इलाज की सुविधा मिल सके और समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक बनाया जाए और उनको स्वस्थ वातावरण बना कर स्वस्थ रहना सिखाया जाए। भारत में आम तौर पर लोगों में स्वास्थ्य चेतना का अभाव है। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी लोग तभी चिंतित होते हैं जब कोई रोग उन्हें ठास लेता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं। विश्व भर में इन बीमारियों से हर वर्ष दो करोड़ लोगों की मौत होती है और इनमें से अस्सी प्रतिशत गरीब देशों से हैं संगठन का कहना है कि इस तरह की बीमारियाँ दौड़-भाग से रोकी जा सकती हैं स्वास्थ्य सिर्फ रोग या दुर्बलता की अनुपरिस्थिति ही नहीं बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए और किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते हैं। रोग की अनुपरिस्थिति एक वांछनीय स्थिति है लेकिन यह स्वास्थ्य को पूर्णतया परिभाषित नहीं करता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक कसौटी नहीं है और इसे अकेले स्वास्थ्य निर्माण के लिए पर्याप्त भी नहीं माना जा सकता है। लेकिन स्वस्थ होने का वास्तविक अर्थ अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन जीने के स्वस्थ तरीकों को अपनाना जाना है।

जीवन में स्वास्थ्य ही अनमोल धन है। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित कर सकते हैं। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। व्यक्ति की सबसे बड़ी दौलत उसका शरीर और उसका स्वास्थ्य होता है। जीवन में स्वास्थ्य का मूल्य समझ कर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

—अतिथि संपादक, बाल मुकुन्द ओझा, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 19 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 10:21 तक, शिव योग रात्रि 12:52 तक, वणिज करण सायं 6:22 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:21 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 6:22 से आरम्भ होगी। आज सायन वृष में सूर्य रात्रि 1:26 पर प्रवेश करेगा।

आज ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:39 से 9:15 तक, चर 12:26 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मे़ष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशवासन प्राप्त होगा।

व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य विगड़ सकते हैं।	कन्या घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।	मकर आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
--	---	---

मिथुन परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।	तुला व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।	कुंभ आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
--	---	--

कर्क स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	वृश्चिक परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-सम्बन्ध बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।	मीन व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।
--	---	---

समीक्षा: कहानी संग्रह “ अहसासों की इबारत”

लेखिका की इससे पहले प्रकाशित कृति ‘अतीत के पंखों से’ काफी चर्चित रही है। सद्य प्रकाशित ‘अहसासों की इबारत’ पुस्तक के प्रकाशक हैं साहित्यगार, मुद्रक हैं शीतल प्रिंटर्स जयपुर, आवरण पृष्ठ पर पेड़ के नीचे नदी किनारे बैठी एक युवती का रंगीन चित्र है जो बहुत संजीदगी के साथ कोई पुस्तक पढ़ रही, जो पुस्तक के शीर्षक के अनुसार ही है।

पुस्तक का मूल्य रु ३०० रु, जो थोड़ा ज्यादा लग सकता है, पर पढ़ने के बाद अखरेगा नहीं। पुस्तक अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है।

शबनमी आखरों से बुनी पन्द्रह कहानियों का यह संग्रह, ‘अहसासों की इबारत’ आपके मन को गहराइयों तक भिगी देगा, आपको पता भी न चलेगा, कब आपकी आँखों से कुछ मोती झरे, और आपके मन के सारे क्लेश गीे गए। लेखिका रतना कौशिक की इन कहानियों में दर्द भी है और दवा भी। हकीकत की जमीं पर बोई गई और कल्पना से उकेरी गई ये कहानियाँ कभी हमें अपनी और कभी अपनों की सी लगती हैं।

यह कहानी संग्रह, साहित्य के महासागर की अमृतमयी बूंद है, साहित्य का अर्थ ही है ‘हित से युक्त होना’ यथा-‘हितेन सह इति सहितं, तस्य भाव साहित्यं’। साहित्य का मूल तत्त्व हित-साधन है। साहित्य की कसौटी मूलतः शिवत्व अर्थात् सामाजिक कल्याण है, आप इस संग्रह की हर कहानी में शिवत्व का यही मूल भाव सुगुंदा से गुँथा हुआ पायेंगे।

उपस्था की शुष्क जमीं से दूर, भावों की नमी से उपजे ऐसे ही सृजन के लिए तुलसीदास जी ने लिखा है:— “कीर्ति भनिति भूति भल सोई,सुरसरि सम सब कह हित होई।”

यानी कीर्ति, कविता, और सम्पत्ति वही उत्तम है जो गंगाजी की तरह सबका हित करने वाली हो।

इस संग्रह की पंद्रह कहानियों में से पहली आठ कहानिया स्त्री विमर्श पर आधारित हैं, तो अन्य सात कहानियों में से बर्फ वाली आइस्क्रीम बचपन की दोस्ती, टूट गए मोह के धागे पुत्र मोह, रिश्तों में जीवन रहने दो कोविड की विभीषिका में रिश्तों में आई विद्रूपता, अपना-अपना आईना एक लघु कथा है जिसमें समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर टिप्पणी की गई है। एक कतरा खुशी का दो मित्रो की कहानी है जिसमें एक मित्र अपने कंगाल हुए मित्र की शादी की 5० वीं सालगिरह धूम धाम से मनाता है। आज भी समाज में नारी को अपनी पहचान और अस्मिता बनाए रखने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है, समाज में उनके प्रति उदार दृष्टिकोण प्रायः छुप में ही प्रतीत होता है, संग्रह की प्रथम आठ कहानियाँ ऐसे ही संघर्षों की रोचक कथाएं हैं, जहां कभी नायिका को विजय मिलती है तो कभी हार और कभी जीत में भी हार।

कहानि ‘मेरा मायका’ समाज के हीन होने नजरिए के बारे में है,जैसे कीचड़ से सनी आँखों को न कुछ साफ दिखता है न ही कुछ अच्छा, वैसे ही अपना घरबार और नौकरी छोड़ मायके में अपने माँ-बाप की सेवा करती बेटी की नीयत में उसकी सगी बहनों को बस खोत दिखा, खुद उसके माँ बाप को भी कुछ ऐसा ही लगा, सबको लगा इकलौते भाई की मृत्यु के बाद छोटी बहन ने बाप की संपत्ति पर कब्जा करने की नीयत से मायके में डेरा डाल रखा है, पर सच ये न था”।

किन्नर, हिजड़ा, हमारे समाज में गाली का पर्याय ही समझा जाता है, एक माँ जिसकी पहली संतान एक किन्नर है, पर जन्म के साथ ही बेरहम दकियानूसी

ग्राम पंचायत नेतेवालामें आम गलियोंमें जाली पट्टे जारी किये, जनसुनवाईमें पीड़ा बताई

- बुजुर्ग हेतराम ने कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताई**
- दिसंबर 2०19 में जिला प्रभारी मंत्री को भी जनसुनवाई में पीड़ा बताई थी, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला**

कृषि भूमि है। मुख्बा नंबर 16,13,17 की बारी मुख्बा नंबर 16 में एकट्ठी बंधी हुई है। जल उपभोक्ता संगम के अध्यक्ष ने प्रार्थी को लोकसान पहुंचाने के लिए बारियां अलग-अलग कर क्रमशः 13,17 व 16 में अलग-अलग कर बांध दी। ताकि उसकी बारियां और समय बर्बाद हो जाए। अधीक्षण अभियंता की ओर से भी पूर्व की भांति बारी एकट्ठा करने के आदेश दिए गए, लेकिन पालना आज तक नहीं हुई। इतना ही नहीं अध्यक्ष ने अपने पिता के लिए मुख्बा नंबर 16 के किला नंबर 16-25 की डोली (बेट) पर अतिरिक्त नाका 4 अप्रैल 2025 को स्वीकृत करवा लिया है। इस संबंध में हर स्तर पर शिकायतें की गईं, लेकिन राहत आज तक नहीं मिली। लगभग ऐसी ही पीड़ा अन्य फरियादियों की थी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के बीसी रूम में हुई। इस दौरान कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। जनसुनवाई में प्राप्त 12० प्रकरणों पर चर्चा की गई। बीसी के माध्यम से मुख्य सचिव सुंधारा पंत ने संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के बाद सतर्कता समिति की बैठक में समस्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर ज्यादा अवधि तक प्रकरण लंबित नहीं रहें। इस अवसर पर एडीएम सतर्कता रीना, जिला परिषद सीईओ गिरधर, एसपी रामेश्वर लाल,

जेईई–मेन अप्रैल सेशन की एनटीए ने संसोधित फाइनल आंसर–की जारी की

कोटा, (निर्स)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से शुक्रवार दोपहर जेईई–मेन अप्रैल सेशन की रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की जारी कर दी गई। इससे पूर्व गुलवार को जेईई–मेन अप्रैल सेशन की आंसर–की जारी की गई थी, जिसे करीब दो घंटे बाद ही वापस ले लिया गया था। अब पुनः जारी की गई रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की में भी 11 सवालों के जवाबों में बदलाव किया गया है।

इसमें सबसे ज्यादा फिजिक्स में 6, मैथ्स में 3 और 2 केमेट्री के

सवालों के जवाबों में बदलाव किए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 5 सवालों के जवाब 3 अप्रैल को बदले गए, जिसमें 4 सवाल मॉनिंग तथा एक सवाल इवनिंग शिफ्ट से था।

रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की के अध्ययन के आधार पर एलन कैरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की में 2 सवालों के जवाब ऐसे हैं, जो 17 अप्रैल को जारी की गई फाइनल आंसर–की में बदले गए थे, लेकिन अब उन्हें वापस ले

चैन सिंह का आरोप है कि पिटाई इतनी जोरदार थी कि बच्चा डर के कारण शारीरिक संतुलन खो बैठा। पुलिस को दो शिकायत में उन्होंने बताया कि बच्चे के शरीर पर गहरे चोट के निशान हैं। हनुमान नगर थाना अधिकारी गणेश राम ने जानकारी दी कि पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चे का मेडिकल चेकअप कराया, जिसमें मामूली चोटें पाई गई हैं। टीचर के घर पर पुलिस की एक टीम भेजी गई थी, लेकिन आरोपी टीचर मौके पर नहीं मिला। उसके परिजनों को थाने बुलाया गया है और मामले की जांच जारी है।

17 अप्रैल की आंसर–की में दो सवालों के जवाब वापस लिए

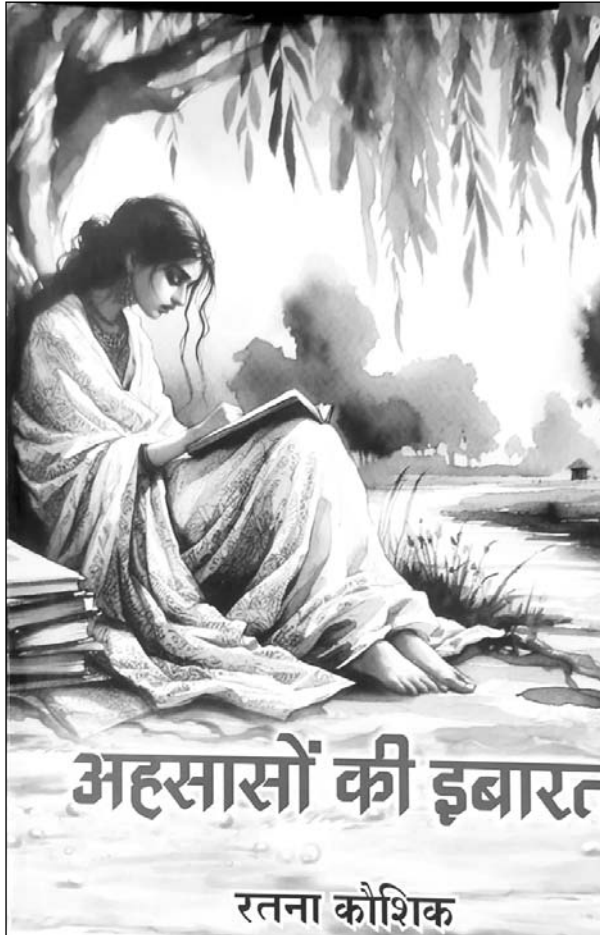
रिवाइज्ड आंसर–की में दो नए सवालों के जवाबों में बदलाव किया

लिया गया है। इसमें 3 अप्रैल को मॉनिंग शिफ्ट में फिजिक्स और 4 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में फिजिक्स

के सवाल के जवाब में 17 अप्रैल को जारी की गई फाइनल आंसर–की में करेक्शन किया गया था, जिसे रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की में वापस ले लिया गया। इन सवालों के जवाब बदले–2 अप्रैल को मॉनिंग शिफ्ट में मैथ्स के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है।

वहीं 3 अप्रैल को मॉनिंग शिफ्ट के फिजिक्स के सवाल को ड्रॉप किया गया, इसी शिफ्ट में फिजिक्स तथा कैमेट्री के सवाल के जवाब बदले गए हैं। इसी तरह 3 अप्रैल को इवनिंग

शिफ्ट मैथ्स के एक सवाल के दो जवाब का विकल्प दिया गया है। 4 अप्रैल को मॉनिंग शिफ्ट में फिजिक्स, इसी शिफ्ट में फिजिक्स के ही एक सवाल के दो जवाबों का विकल्प दिया गया है। इसी तरह 4 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में फिजिक्स के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है। 7 अप्रैल को मॉनिंग शिफ्ट में मैथ्स और फिजिक्स के एक-एक सवाल के जवाब बदले गए हैं। 8 अप्रैल को इवनिंग शिफ्ट में कैमेट्री के सवाल के जवाब में बदलाव किया गया है।



पवित्र प्रेम मिलन का मोहताज नहीं, प्रेम एक अहसास की इबारत है, अक्षर है जो न मरता न ही मरने देता है। ‘उन्नत बीज’ एक ऐसी कहानी है जो संग्रह की अन्य कहानियों से बिलकुल अलग है किसी रूपक जैसी, और इस संग्रह में अप्रासंगिक सी लगती है।

कुल मिला कर यह बेहद मन भावन एवं रोचक कहानी संग्रह है, लेखिका की सहज सरल एवं सुग्राही

लेखिका–रतना कौशिक
समीक्षक: अनिल कौशिक
‘विश्वमित्र’

नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीबा, सहायक निदेशक लोक सेवाएं ऋषभ जैन, विजय कुमार सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

पूर्व पार्षद सुनीता इंदौरा, कश्मीरी लाल इंदौरा, अमित खन्ना, विनोद पंवार सहित अन्य ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर बताया कि प्रार्थी वार्ड 62 के निवासी हैं। परिसीमन पर हमें एतराज है, क्योंकि वार्ड 62 का कुछ हिस्सा काटा जा रहा है। दूसरे वार्ड का हिस्सा जोड़ने से वार्ड में सुधार कार्य में परेशान होगी। ऐसे में परिसीमांकन से पहले वार्डवासियों, पूर्व पार्षदों की बात भी सुनी जाए। अनिल कुमार विशोई, सतनाम सिंह, थाना सिंह, सज्जन सिंह, बलदेव सिंह बराड़ आदि ने ज्ञापन के जरिए अवगत कराया कि ग्राम पंचायत 4 जैड के आबादी क्षेत्र में ऑफिसर कॉलोनी (मुख्बा नंबर 69), तीन पुली को नगर परिषद से वंचित कर दिया गया। जबकि इस क्षेत्र की दूरी महज 1 किलोमीटर ही है। यूआरटी पट्टे जारी करती है। मूलभूत सुविधाएं भी निकाय से उपलब्ध करावा रहे हैं।